भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 597
25 जुलाई, 2024 को उत्तर देने के लिए

प्याज प्रसंस्करण क्लस्टर

597. श्री अरुण नेहरू :

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का किसानों को बेहतर आय अर्जित करने के लिए पेरम्बलुर जिले जो देश में छोटे प्याज के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है, में उनकी उपज को पारदर्शी तरीके से खरीदने और बेचने के लिए खरीदारों को आकर्षित करने को सुकर बनाने के लिए एक छोटा प्याज प्रसंस्करण क्लस्टर स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री
(श्री रवनीत सिंह)

(क) एवं (ख): खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) वर्ष 2018-19 से प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना के अंतर्गत एक केंद्रीय क्षेत्र योजना- "ऑपरेशन ग्रीन्स" (ओजी) को कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य किसानों की मूल्य प्राप्ति को बढ़ाना और फसलोत्तर नुकसान को कम करना है ।

ऑपरेशन ग्रीन्स-दीर्घकालिक हस्तक्षेप योजना के अंतर्गत, मंत्रालय सामान्य क्षेत्रों में परियोजनाओं के लिए पात्र परियोजना लागत का 35% और दुर्गम क्षेत्रों में परियोजनाओं के साथ ही अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, एफपीओ और स्वयं सहायता समूहों की परियोजनाओं के लिए भी पात्र परियोजना लागत का 50% की दर से एकीकृत मूल्य श्रृंखला विकास परियोजनाओं के अंतर्गत प्रति परियोजना अधिकतम 15 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता और स्टैंडअलोकन फसलोत्तर अवसंरचना परियोजनाओं के अंतर्गत प्रति परियोजना 10 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

घटक "स्टैंडअलोन फसलोत्तर अवसंरचना परियोजनाएं" के अंतर्गत स्थापित किए जाने हेतु प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए, उप-घटक "फार्म स्तर पर प्राथमिक फसलोत्तर प्रसंस्करण अवसंरचना सुविधाएं" चिन्हित उत्पादन क्लस्टरों में होनी चाहिए तथा उप -घटक " फसलोत्तर प्रसंस्करण अवसंरचना सुविधाएं" चिन्हित उत्पादन क्लस्टरों वाले राज्य या समीपवर्ती राज्यों के समीपवर्ती जिलों में हो सकती हैं।

योजना के दीर्घकालिक हस्तक्षेप के अंतर्गत, फलों और सब्जियों प्रसंस्करण के दायरे के लिए वर्ष 2018-19 के लिए कृषि मंत्रालय द्वारा प्रकाशित उत्पादन आंकड़ों के व्यापक विश्लेषण, और हितधारकों से परामर्श के बाद प्याज सहित 22 फसलों के लिए क्लस्टरों की पहचान की गई है।

प्याज के पहचाने गए उत्पादन क्लस्टर निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	**राज्य**	**उत्पादन क्लस्टर क्षेत्र**
1.	महाराष्ट्र	नासिक, अहमदनगर, जलगांव, पुणे, सतारा, सोलापुर
2.	मध्य प्रदेश	देवास , इंदौर, उज्जैन, खंडवा
3.	कर्नाटक	गडग, धारवाड़
4.	गुजरात	भावनगर, अमरेली
5.	बिहार	नालंदा

उपर्युक्त विवरण के मद्देनजर अभी तक ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

****